कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अंक 3, जुलाई 2024

केन्द्र पर गार्डन कीपर विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा स्किल इंडिया के तहत तीन दिवसीय (3 से 5 जून 2024) गार्डन कीपर विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के दौरान कुल 38 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण संयोजक श्री अजय कुमावत, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) ने प्रतिभागियों को बगीचे के प्रकार एवं पौध प्रबंधन की प्रमुख विधियों तथा बगीचों का रख रखाव आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक बताया । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पौधशाला स्थापना से पूर्व मिट्टी की जॉच एवं नमूने लेने की विधि के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि पौध शाला तैयार करने से पूर्व मिट्टी को उपचारित करना चाहिये ताकि मृदा जनित बीमारियों से होने वाले नुकसान से बचा जा सके । सरंक्षित बागवानी विशेषज्ञ डॉ. राजेश सैनी ने प्रशिक्षणार्थियों को सरंक्षित पौधशाला का रेखाकंन एवं प्रबंधन तथा सब्जियों की पौधशाला तैयार करते समय किन–किन बातों को ध्यान में रखना चाहिये आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार पूर्वक बताया एवं प्रतिभागियों को स्व रोजगार से जोडने के लिये प्रेरित किया ।

पर्यावरण दिवस का आयोजन

दिनांक 5 जून 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया । इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ एवं सरंक्षित करने हेतु आह्वान किया साथ ही केन्द्र के फार्म पर कार्मिकों के साथ वृक्षारोपण किया ।

किसान सारथी पोर्टल द्वारा पशुपालकों के लिये संदेश

दिनांक 12 जून 2024 को किसान सारथी पोर्टल के माध्यम से पशुपालकों को अवगत करवाया गया कि गर्मियों के मौसम में तनाव को नियंत्रित करने के लिये पशुपालकों अपने पशुओं को दिन के समय तेज धूप में छायादार स्थानों पर बांध के रखें एवं दिन में दो से तीन बार स्वच्छ पानी पिलायें ताकि गर्मी के तनाव से दूध उत्पादन में कमी ना हो ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाइव टेलीकास्ट

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाइव टेलीकास्ट का आयोजन दिनांक 18.06.2024 को सभागार कक्ष में किसानों, किसान महिलाओं एवं छात्र–छात्राओं को दिखाया गया । इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि की 17 वीं किस्त के तहत 9.26 करोड किसानों को लगभग 20,000 करोड की राशि ट्रांसफर की गई । इस कार्यक्रम में 127 किसानों ने लाइव टेलीकास्ट देखा तथा कृषि विज्ञान केन्द्र की वर्मीकम्पोस्ट इकाई, नर्सरी एवं नैपियर इकाई पर भ्रमण किया तथा भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया ।

- दिनांक 27.06.2024 को कृषि अनुसंधान केन्द्र बीछवाल, बीकानेर के सभागार में कृषि विभाग, उद्यान विभाग, आत्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की मासिक प्रतिवेदन कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) द्वारा केन्द्र की जून माह में किये गये कार्यो का प्रस्तुतीकरण किया गया ।
- किसानों को टेलीफोनिक वार्ता एवं वाट्सप ग्रुप के माध्यम से जुलाई माह में लगने वाले विभिन्न फलदार, औषधीय पौधों के लगाने की विधि एवं पौधारोपण हेतु सूचना दी गई ।

जुलाई माह में किये जाने वाले कृषि संबंधित कार्य

- किसान महिलाएं खरीफ सीजन पोषाहार वाटिका में लोबिया, तुरई, लौकी, भिंडी, ग्वारफली एवं टिण्डा आदि सब्जियों की बुवाई से पहले मिट्टी में सडी हुई गोबर की खाद (FYM) अथवा वर्मीकम्पोस्ट मिलाकर क्यारी तैयार कर बुवाई करें ।
- फलदार पौधों (सहजन, बेर, पपीता, अनार, नींबू, करौंदा, जामुन) आदि को लगाने के लिये 2X2 फीट गहरे गडढे खोद कर उसमें 3:1 में मिट्टी एवं सडी हुई गोबर की खाद (FYM) अथवा वर्मीकम्पोस्ट मिलाकर गडढे को भरें । उसके बाद पौधे की थैली को हटाकर पौधारोपण करें तथा तुरन्त बाद पानी देंवे ।
- मूँग हेतु किस्म एमएच–421, एमएच–1142 का 16 किलो बीज प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई करें ।
- मोठ हेतु किस्म आरएमओ–257, आरएमओ–251 का 12 किलो बीज प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई करें ।
- तिल हेतु किस्म आरटी–351, आरटी–372 का 2 किलो बीज प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई करें ।
- मूँगफली में दीमक एवं सफेद लट् के प्रबंधन हेतु एक लीटर क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी को 25 किलो सडी हुई गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर एक बीघा क्षैत्र में उपयोग करें ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर) श्री रमेश चौधरी(वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता–NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) **Designed & typed by** श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I